Govt.of MadhyaPradesh
मध्य प्रदेश शासन
Office of the Field Director
Panna Tiger Reserve
Panna, Madhya Pradesh, (India)
Phone No. +917732-252135 (O) Fax, +917732-252120
E-mail: fdptr82@gmail.com Website: www.pannatigerreserve.in
Panna Tiger Reserve
पन्ना टाईगर रिजर्व

प्रेस नोट

बाघ पुनर्स्थापना योजना के चार वर्ष पूर्ण हुए

पन्ना बाघ पुनर्स्थापना योजना नवम्बर 2009 से प्रारम्भ हुई थी, जब पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी से एक नर बाघ को पन्ना लाया गया था। बाघ पुनर्स्थापना योजना के मुताविक कुल 06 संस्थापक बाघों को लाना था, जिसमें से आज की स्थिति में 05 संस्थापक बाघ यहां पर लाये जा चुके हैं एवं समस्त पुनर्स्थापित बाघ पूर्ण रूप से पन्ना टाइगर रिजर्व में पुनर्स्थापित हो चुके हैं। तकनीकी कारणों से दूसरा नर बाघ लाने की कार्यवाही स्थगित की गई है। अन्यत्र से लाये गये 04 बाघिनों में से अभी तक टी–1 दो बार एवं टी–2 व टी–4 तीन–तीन बार बच्चें जन्म दे चुकी हैं। टी–4 एवं टी–5 अर्द्धजंगली से जिनका पुनः जंगली सफलता पूर्वक किया गया। टी–1 के प्रथम लिटर के 02 नर बाघ पन्ना–111 एवं पन्ना–112 पार्क में अपने पैर जमा लिये हैं जिस कारण से टी–2 एवं टी–4 क्रमशः अपने दूसरे एवं प्रथम सन्तानों को महज 13 एवं 12 महीनों ही अपने से अलग कर लिये हैं। इसी क्रम में टी–4 एवं पन्ना 213 क्रमशः अपने दूसरे एवं पहली संतानों को जन्म देने के बाद त्याग दिये हैं। आज की स्थिति में टी–2 एवं टी–4 अपने 5 महीने की बच्चों के साथ है। पन्ना–212 दो बार अपना किल पकड़ने में घायल हुआ है। साथ–साथ यह एक रेबीज कुत्ते के द्वारा भी घायल हुआ है। इलाज के दरम्यान पन्ना–212 ने अपने दो दांत खोया है। इसी वर्ष पन्ना–412, पन्ना 221 एवं पन्ना 222 को रेडियो कालर करने के प्रयास किये गये हैं परन्तु इन प्रयासों में सफलता नहीं मिली है। इसका मुख्य कारण बाघ की छोटी उम्र का होना है। पन्ना टाइगर रिजर्व से बाघों का डिस्पर्सल सभी दिशाओं में हो रहा है। वर्तमान में संस्थापक बाघों को मिला कर पन्ना में कुल 23 बाघ हैं। वर्तमान में पन्ना में जन्में बाघों का लिंग अनुपात ठीक न होने के कारण (नर बाघ अधिक हैं) अन्यत्र से 02 बाघिनो को लाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त आवश्यकता के आधार पर कुछ नर बाघों को बाहर ले जाने की अनुमति भी है। बाघ पुनर्स्थापना योजना के

प्रथम चरण के तहत प्राप्त अनुभवों को समावेश करते हुए द्वितीय चरण की योजना बनाई गई है।

स्थानीय तौर पर वन एवं वन्यप्राणी के प्रति जागरूकता लाने हेतु विगत 04 वर्षों से पन्ना नेचर कैम्प आयोजित हो रहे है। जिसमें आज की स्थिति में कुल 72 नेचर कैम्प में 2105 प्रतिभागी भाग ले चुके हैं। इसके साथ–साथ लगातार पन्ना पार्क से जुड़े अलग–अलग स्टेक होल्डर के साथ संवाद एवं चर्चा का सिलसिला जारी है। फलस्वरूप पन्ना बाघ पुनर्स्थापना योजना से सम्बन्धित अलग–अलग मुद्दों के बारे में लोगों में एक बेहतर समझ है।

बाघ, तेंदुआ एवं अन्य शाकाहारी वन्यप्राणियों की आंकलन की कार्यवाही दिनांक 20–27 जनवरी 2014 के मध्य क्रियान्वित की जावेगी। हर वर्ष पन्ना टाइगर रिजर्व के द्वारा आयोजित "गिद्धों का आंकलन 2014" 7–9 फरवरी 2014 की अवधि में आयोजित होगा। वन एवं वन्यप्राणी के प्रबन्धन में उच्च तकनीक का उपयोग करने की दिशा में 7–9 जनवरी 2014 की अवधि में प्रायोगिक तौर पर Unmanned Aerial Vehicle (UAV) का एवं 5–9 जनवरी 2014 5–9 जनवरी 2014 में वायरलेस सेंसर नेटवर्क (Wireless Sensor network) तकनीकी का प्रयोग भी पन्ना टाइगर रिजर्व में भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून व आई. आई.आई टी. इलाहाबाद व वन विभाग म.प्र. के द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

दिनांक – 31.12.2013

क्षेत्र संचालक
पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना